प्रेस विज्ञप्ति

लेजर थियेटर उद्घाटित

मानसिक शान्ति को ढूंढें नहीं, अनुभव करें ... राज्यपाल श्री नरसिम्हन

रायपुर, २ जून: राज्यपाल ई. एस. एल. नरसिम्हन ने कहा कि मानसिक शान्ति को बाहर ढूंढने की नहीं बल्कि अनुभव करने की आवश्यकता है। दूसरों के दु:ख को बाँटने से जो सुकुन मिलता है, उसी में शान्ति समायी हुई है।

श्री नरसिम्हन प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व-विद्यालय द्वारा विधानसभा मार्ग पर स्थित शान्ति सरोवर में नवसृजित लेजर थियेटर का शुभारम्भ करने के बाद इस अवसर पर आयोजित समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने लेजर शो के विषय- ***परम शक्ति की खोज*** शब्द का उल्लेख करते हुए कहा कि निश्चित रूप से इस प्रदर्शन को देखकर लोगों को परमशक्ति को जानने और उसके प्रति मेडिटेशन के माध्यम से आत्मिय सम्बन्ध जोड़ने का मार्ग प्रशस्त होगा। शान्ति तब मिलती है जब योग के द्वारा आत्मा और परमात्मा का मिलन होता है।

राज्यपाल श्री नरसिम्हन ने आगे कहा कि हर कर्म ईश्वर की शरणागति होकर समर्पित भाव से करें तो सफलता अवश्य ही मिलेगी। एकमात्र परमात्मा की शरण में जाने से ही शान्ति और शक्ति का अनुभव करने में समर्थ हो सकेंगे।

समारोह को सम्बोधित करते हुए ब्रह्माकुमारी संस्थान के क्षेत्रीय निदेशक ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने बतलाया कि इस वर्ष को संस्थान द्वारा परमात्म शक्ति की अनुभूति वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इसके अन्तर्गत ही लेजर शो बनाया गया है जिसका नाम है-परमशक्ति की खोज।

उन्होंने आगे कहा कि हवा से भभूत अथवा अंगूठी आदि पैदा करना कोई परमात्मा की शक्ति नहीं है। उनकी सबसे बड़ी शक्ति अथवा गुण है मनुष्यात्माओं को निर्विकारी और पवित्र बनाना। उन्हें दैवी गुणों से सम्पन्न बना देना, जिससे ही जीवन में सुख-शान्ति आती है।

ब्रह्माकुमार ओमप्रकाश ने कहा कि सभी धर्मों में परमात्मा को ज्योति के रूप में याद किया गया है। बाईबिल में ईश्वर को गाड इज लाइट कहा गया है, कुरान में उन्हें नूर-ए-इलाही कहकर इबादत की गई है, सिख धर्म के अनुसार भी गुरू ग्रन्थ साहब में लिखा है कि एक नूर ते सब जग उपजा। गौतम बुद्ध को भी बोधि वृक्ष के नीचे ज्योति का साक्षात्कार हुआ। हिन्दू धर्म में अनुसार परमात्मा को ज्योतिर्लिंग के रूप में पूजा करते हैं जिसका मतलब ज्योति स्वरूप प्रतिमा होता है। उनको यथार्थ रीति जानकर उनसे सम्बन्ध जोड़ना ही योग कहलाता है।

(शेष अगले पृष्ठ २ पर ...)

(पिछले पृष्ठ का शेष ...)

समारोह में सांसद नन्द कुमार साय ने अपनी शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में सभी संसाधन मौजूद हैं, कहीं कोई कमी नहीं है। कमी है तो सिर्फ अच्छे नागरिकों की। इसलिए राष्ट्र निर्माण में ब्रह्माकुमारी संस्थान की बहुत महत्वपूर्ण भूमिका है क्योंकि यहाँ पर अच्छे व्यक्ति का निर्माण होता है।

महापौर सुनील सोनी ने कहा कि भौतिक युग में मनुष्य सब कुछ प्राप्त कर लेना चाहता है। इसलिए वर्तमान में उसे जो प्राप्त हुआ है उसका सुख लेने की बजाय वह उससे और अधिक प्राप्त कर लेने की अन्तहीन दौड़ में लगा हुआ है। उसके पास यह चिन्तन करने का वक्त ही नहीं है कि वह सिर्फ अपने लिए जी रहा है अथवा उसने दूसरों के लिए भी कुछ किया है। उन्होंने कहा कि लोगों के चिन्तन की दिशा और दशा को बदलने के लिए शान्ति सरोवर सबसे उपयुक्त जगह है।

सभा को छत्तीसगढ़ संचालिका ब्रह्माकुमारी कमला बहन व भिलाई सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी आशा बहन ने भी सम्बोधित किया तथा संचालन धमतरी सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्माकुमारी सरिता बहन।

ehfM;k iHkkx
itkfirk cãkdekjh b- fo- fo- jk;ij
njHkk"k % 2253253] 2254254